NCERT SOLUTIONS

CLASS - 10th

aglasem.com

Class : 10th

Subject : हिन्दी

Chapter : 15

Chapter name : अब कहाँ दूसरे के दुःख से दुखी होने वाले

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-दो पंक्तियों में दीजिये-

Q1. बड़े-बड़े बिल्डर समुद्र को पीछे क्यों धकेल रहे थे ?

Ans. बड़े-बड़े बिल्डर समुद्र को पीछे इसलिए धकेल रहे हैं क्योंकि बढ़ती आबादी के साथ लोगों के घर बनाने की जगह काम होती जा रही है, इसलिए बिल्डर नए-नए घर बनाने के लिए ऐसा कर रहे हैं |

Page no: 114, Block: मौखिक

Q2. लेखक का घर किस शहर में था ?

Ans. लेखक का घर पहले ग्वालियर में था और अब मुंबई के वर्सोवा में है |

Page no: 114, Block: मौखिक

Q3. जीवन कैसे घरों में सिमटने लगा है ?

Ans. पहले लोग बड़े-बड़े घरों में मिल-जुलकर रहते थे परन्तु आज के समय में लोगों का जीवन डिब्बे जैसे बने छोटे-छोटे घरों में सिमटने लगा है |

Page no: 114, Block: मौखिक

Q4. कबूतर परेशानी में इधर-उधर क्यों फड़फड़ा रहे थे ?

Ans. कबूतर परेशानी में इधर-उधर इसलिए फड़फड़ा रहे थे क्योंकि उनका एक अंडा बिल्ली ने गिरा कर तोड़ दिया था और उनका दूसरा अंडा लेखक की माँ के हाथ में गिर कर टूट गया था |

Page no: 114, Block: मौखिक

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर (25-30 शब्दों में) लिखीए-

Q1. अरब में लश्कर को नूह के नाम से क्यों याद करते हैं ?

Ans. अरब में लश्कर को नूह के नाम से इसलिए याद करते थे क्योंकि वह सारी उम्र रोते रहे | उनके रोने का कारण एक कुत्ता था जिनको उन्होंने दुत्कार दिया था, और कुत्ते ने कहा था की " न में अपनी मर्ज़ी से कुत्ता हूँ, और ना तुम अपनी पसंद से इंसान हो "|

Page no: 114, Block: लिखित

Q2. लेखक की माँ किस समय पेड़ों के पत्ते तोड़ने के लिए मना करती थी और क्यों ?

Ans. लेखक की माँ सूरज के ढलने के समय पेड़ों के पत्ते तोड़ने से मना करती थी | वह ऐसा इसलिए करती थी क्योंकि उनका मानना था की इस समय पेड़ों के पत्ते तोड़ेंगे तो पेड़ रोएंगे

Page no: 114, Block: लिखित

Q3.प्रकृति में आये असंतुलन का क्या परिणाम हुआ ?

Ans. प्रकृति में आये असंतुलन की वजह से अब गर्मी में बहुत ज्यादा गर्मी, बेमौसम की बारिश, ज़लज़ले, सैलाब और साथ में कई तरह की बीमारियां परिणाम स्वरुप आयी |

Page no: 114, Block: लिखित

Q4. लेखक की माँ ने पूरा दिन रोज़ा क्यों रखा ?

Ans. लेखक की माँ से कबूतर का अंडा गलती से उनके हाथ में ही टूट गया था जिनका उन्हें बहुत ही दुख हुआ था और वह दिन भर रोती रही थी | अपनी इसी गलती की माफ़ी मांगने के लिए उन्होंने रोज़ा रखा था |

Page no: 114, Block: लिखित

Q5. लेखक ने ग्वालियर से बंबई तक किन बदलावों को महसूस किया था ? पथ के आधार पर स्पष्ट कीजिये |

Ans. लेखक ने ग्वालियर से बंबई तक संसार भर के बदलाव महसूस किये | जहाँ ग्वालियर में जंगल था, पेड़,पक्षी और जानवर थे, वही बंबई में समंदर, चौड़ी सड़कें और लम्बी चौड़ी बस्ती थी |

Page no: 114, Block: लिखित

Q6. ' डेरा डालने ' से आप क्या समझते हैं ? स्पष्ट कीजिये |

Ans. ' डेरा डालने ' का मतलब है अपने रहने की जगह बनाना | इस कहानी में पक्षियों के लिए घोसला बनाने की जगह नहीं बची थी इसलिए वह बड़ी-बड़ी इमारतों में ही डेरा डालने लगे थे |

Page no: 114, Block: लिखित

Q7. शेख अयाज़ के पिता अपने बाजू पर कला च्योंटा रेंगता देख भोजन छोड़ कर क्यों उठ खड़े हुए ?

Ans.शेख अयाज़ के पिता अपने बाजू पर कला च्योंटा रेंगता देख भोजन छोड़ कर इसलिए उठ खड़े हुए क्योंकि उन्होंने इस च्योंटे को उसके घर से अलग कर दिया था, और वह उसको वापस उसके घर छोड़ने जाने लगे थे |

Page no: 114, Block: लिखित

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर (50-60 शब्दों में) लिखीए

Q1. बढ़ती हुई आबादी का पर्यावरण पर क्या प्रभाव पड़ा ?

Ans.बढ़ती हुई आबादी का पर्यावरण पर बहुत ही बुरा प्रभाव पड़ा | जैसे-जैसे आबादी बढ़ती गयी वैसे-वैसे जंगल और समुन्द्र सुकड़ते गए | सड़कें बनाने के लिए पेड़ो को काटा जाने लगा और घर बनाने के लिए समुद्र के पानी को समेटा जाने लगा | इन सब की वजह से जानवरों का घर उजड़ने लगा और रहने की जगह नहीं बची, वातावरण में प्रदुषण इतना बढ़ गया है की इसकी वजह से नयी-नयी बीमारियां हो रही है | मौसम भी अब बदलने लगा है जैसे- बहुत ज्यादा गर्मी और बेमौसम बरसात |

Page no: 115, Block: लिखित

Q2. लेखक की पत्नी को खिड़की में जाली क्यों लगवानी पड़ी ?

Ans. लेखक के घर में बेस कबूतर दिन में कई बार आते-जाते थे, और उनके आने-जाने से लेखक और उनकी पत्नी को बहुत परेशानी होती थी | वह कभी चीज़ें गिरा कर तोड़ देते थे या कभी लाइब्रेरी में किताबें ख़राब कर देते थे | इन्ही सब बातों से तंग आ कर लेखक की पत्नी ने उनके बच्चों को दूसरी जगह कर दिया और कबूतरों के आशियाने पर जाली लगा दी और उनके आने जाने वाली खिड़की को भी बंद रखने लगी |

Page no: 115, Block: लिखित

Q3. समुद्र के गुस्से की क्या वजह थी ? उसने अपना गुस्सा कैसे निकला ?

Ans. समुद्र के गुस्से की वजह यह थी की बिल्डर उसे पीछे धकेलते जा रहे थे और वह सिमटता जा रहा था लेकिन जब उसके लिए पर्याप्त जगह नहीं बची तब उसको गुस्सा आ गया |

समुद्र ने अपना गुस्सा तीन जहाजों को अपनी लहरों से फेंककर दिखाया | एक जहाज वर्ली में समुद्र किनारे जा कर गिरा तो दूसरा बांद्रा के कार्टर रोड पर गिरा | और तीसरा जहाज गेटवे ऑफ़ इंडिया पर टूट-टूट कर गिरा और सैलानियों का नज़ारा भी बना | इसके बाद यह जहाज कभी चलने काबिल नहीं हो पाए |

Page no: 115, Block: लिखित

Q4. ' मिटटी से मिटटी मिले,

खो के सभी निशान,

किस्मे कितना कौन है,

कैसे हो पहचान'

इन पंक्तियों के माध्यम से लेखक क्या कहना चाहता है ? स्पष्ट कीजिये|

Ans. इन पंक्तियों के माध्यम से लेखक कहना चाहता है की हम सब मिटटी के बने हुए है और हमारे शरीर से आत्मा निकलने के बाद भी हम सब मिटटी में ही मिल जाते हैं | जिस मिटटी में हम मिलते उसको देखकर हेम कभी बता नहीं पाते की यहाँ कितने मनिष्य और कितने जांनवर हैं | सब कुछ एक जैसा ही दीखता है और एक जैसा ही लगता है |

Page no: 115, Block: लिखित

निम्नलिखित के आशय सपष्ट किजिए-

Q1. नेचर की सहनशक्ति की एक सीमा होती है | नेचर के गुस्से का एक नमूना कुछ साल पहले बंबई में देखने को मिला था |

Ans. प्रकृति के साथ मनुष्य कई सालों से खिलवाड़ करता आ रहा है और प्रकृति यह सब सहती जा रही है, लेकिन मनुष्य यह भूल गया है की प्रकृति भी सहन करने की एक हद है | जब प्रकृति की सहन करने की क्षमता ख़त्म हो गयी तब प्रकृति ने अपनी गुस्सा दिखाना शुरू क्र दिया जिसका एक नामुमा बंबई में देखा गया था | बंबई में समुद्र ने तीन जहाज़ पानी से बहु उठाकर फ़ेंक दिए थे |

Page no: 115, Block: लिखित

Q2. जो जितना बड़ा होता है उसे उतना ही कम गुस्सा आता है |

Ans. इसमें लेखक यह कहना चाहता है की जो जितना बड़ा होता है उसमे उतनी ही ज्यादा सहन करने की क्षमता होती हैं | वह ज्यादा गुस्सा नहीं करते लेकिन जब उनको गुस्सा आता है तब उन्हें कोई शांत नहीं करा सकता | इसी तरह जब समुद्र को गुस्सा आया तब उसने तबाही मचाई और सभी ने उसका रौद्र रूप देखा |

Page no: 115, Block: लिखित

Q3. इस बस्ती ने न जाने कितने परिंदों-चिरंदों से उनका घर चीन लिया है | इनमे से कुछ शहर छोड़ कर चले गए है | जो नहीं जा सके उन्होंने यहाँ-वहां डेरा दाल लिया है |

Ans. इससे लेखक का यह आशय है की जबसे बड़ी-बड़ी इमारतें बनने लगी है तबसे पशु-पक्षियों का घर उजड़ने लगा है | उन्हें रहने का स्थान नहीं मिल रहा इसीलिए वह सब शहर से मीलों दूर चले गए हैं | जो शहर छोड़कर नहीं जा पाए वह इधर-उधर भटक रहे थे और कुछ ने इन्ही इमारतों में डेरा दाल लिया है |

Page no: 115, Block: लिखित

Q4. शेख अयाज़ के पिता बोले, ' नहीं यह बात नहीं है | मैंने एक घरवाले को बेघर कर दिया है | उस बेघर को कुँए पर छोड़ने जा रहा हूँ |' इन पंक्तियों में छुपी हुई उनकी भावना को स्पष्ट कीजिये |

Ans. शेख अयाज़ के पिता बहुत ही दयालु थे, एक दिन जब वह कुँए पर नहा कर आने के बाद खाना खाने बैठे तब उन्होंने अपनी बाई ओर एक च्योंटा देखा | तब वह अपना भोजन बीच में ही छोड़कर उस च्योंटे को वापस कुँए पर यानि उसके घर पर छोड़ने गए | इससे पता चलता है की शेख अयाज़ के पिताजी सभी

की तरफ दयालुता से देखते थे , और उन्होंने मनुष्य और पशु के बीच समानता दिखाई थी और उस च्योंटे की भावना को समझा था |

Page no: 115, Block: लिखित

भाषा अध्ययन

1.उदहारण के अनुसार निम्नलिखित वाक्यों में कारक चिन्हों को पहचानकर रेखांकित कीजिये और उनके नाम रिक्त स्थानों में लिखिए; जैसे:-

क) माँ ने भोजन परोसा | - कर्ता

ख) मै किसी के लिए मुसीबत नहीं हूँ | - सम्प्रदान

ग) मैंने एक घर वाले को बेघर कर दिया | - कर्म

घ) कबूतर परेशानी मै इधर-उधर फड़फड़ा रहे थे | - अधिकरण

ड) दरिया पर जाओ तो उसे सलाम किया करो | - कर्म

2. निचे दिए गए शब्दों के बहुवचन रूप लिखिए -

चींटी - चींटियां

घोडा - घोड़े

आवाज़- आवाज़ें

बिल - बिलें

फौज - फौजें

रोटी - रोटियां

बिंदु - बिंदुएं

दीवार - दीवारें

टुकड़ा - टुकड़े

3. निम्नलिखित वाक्यों मँ उचित शब्द भरकर वाकय पुरे कीजिये -

क) आजकल ज़माना बहुत ख़राब हैं | (जमाना/ज़माना)

ख) पूरे कमरे को सजा दो | (सजा/सज़ा)

ग) ज़रा चीनी तो देना | (जरा/ज़रा)

aglasem.com

घ) माँ दही जमाना भूल गयी | (जमाना/ज़माना)

ड) दोषी को सज़ा दी जाये | (सजा/सज़ा)

च) महात्मा के चेहरे पर तेज था | (तेज/तेज़)

aglasem.com